

प्रेस विज्ञप्ति

भारतीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (एन.ए.एच.ई.पी.) के अन्तर्गत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा विश्वविद्यालय पुस्तकालय, गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर के समन्वय से कृषि कोष रिपजिटरी पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 150 छात्रों एवं संकाय सदस्यों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता डा० जे०पी०पाण्डेय, अधिष्ठाता, प्रौद्योगिकी महाविद्यालय द्वारा की गयी। डा० पाण्डेय द्वारा अपने भाषण में कृषि कोष रिपजिटरी के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गयीं। डा० टी० पी० सिंह, पुस्तकालयाध्यक्ष द्वारा सभी गणमान्य अतिथियों, संकाय सदस्यों एवं छात्रों के स्वागत में अपने विचार व्यक्त किये गये। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा० अमरेन्द्र कुमार, मुख्य वैज्ञानिक, भारतीय कृषि शोध संस्थान (आईएआरआई) एवं सह परियोजना प्रभारी (एनकेएमसीईआर) द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डा० के०पी०सक्सेना, उप-पुस्तकालयाध्यक्ष द्वारा किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में अरुनधती कौशिक, उप-पुस्तकालयाध्यक्ष की भी अहम भूमिका रही। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय पुस्तकालय के सभी संकाय सदस्यों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

प्रथम प्रशिक्षण सत्र में मुख्य प्रशिक्षक डा० अमरेन्द्र कुमार द्वारा कृषि कोष रिपजिटरी के महत्व एवं उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। उनके द्वारा बताया गया कि इस रिपजिटरी में 103 से अधिक एनएआरईएस संस्थानों के 01 लाख से अधिक शोध ग्रन्थ उपलब्ध हैं। जिसमें पंतनगर विश्वविद्यालय के शोध ग्रन्थ भी सम्मिलित हैं। कृषि कोष विश्व की एक अग्रणी रिपजिटरी है जिसमें 178 देशों के 01 करोड़ से अधिक पाठकों द्वारा विगत एक वर्ष में उपयोग किया गया है। द्वितीय प्रशिक्षण सत्र में तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया गया जिससे अधिक संख्या में शोध ग्रन्थों को एक साथ रिपजिटरी में अपलोड किया जा सके। अन्य तकनीकी बिन्दुओं पर गहन विचार-विमर्श एवं विश्वविद्यालय पुस्तकालय भ्रमण के साथ ही एक दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न हुई।



